वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 311 मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विकसित भारत@2047 की धुरी हैं महिलाएं और युवा: दिया कुमारी

जयपुर में 'माय भारत बजट क्वेस्ट' का आयोजन; बजट 2026 को दिया कुमारी ने बताया समावेशी विकास का आधार, नारी शक्ति वंदन अधिनियम मील का पत्थर, नीति निर्माण में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी, युवा संवाद का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 'माय भारत बजट क्वेस्ट' कार्यक्रम में शिरकत की। केंद्रीय बजट-2026 पर आधारित इस 'युवा संवाद' कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने 'विकसित भारत के लिए महिला नेतृत्व एवं समावेशी विकास' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का स्वप्न तभी साकार होगा जब देश की आधी आबादी यानी नारी शक्ति और युवा शक्ति कंधे से कंधा मिलाकर नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री का आभार

अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''संसद में इस ऐतिहासिक अधिनियम को पास करवाना प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता का प्रमाण है। इसके लिए मैं एक नारी होने के नाते स्वयं और देश की समस्त मातृ शक्ति की ओर से प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से अब महिलाओं को न केवल राजनीति में बल्कि हर निर्णय लेने वाली संस्था में समान अवसर मिल सकेंगे। इससे नीति निर्माण की प्रक्रिया अधिक मानवीय और समावेशी बनेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं की बराबरी अब केवल चर्चा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है।

बजट 2026: युवाओं और महिलाओं के सपनों का बजट: दिया कुमारी ने केंद्रीय बजट-2026 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत विजन' से पूरी तरह प्रेरित है। बजट में युवाओं और महिलाओं को नीति निर्माण के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने 'माय भारत बजट क्वेस्ट 2026' पहल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच युवाओं में बजट के प्रति समझ बढ़ाने और उन्हें देश की अर्थव्यवस्था से जोड़ने का एक बेहतरीन जरिया है। प्रधानमंत्री की यह पहल जटिल बजट प्रावधानों को सरल बनाकर आम युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करती है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी योजना तब सफल होती है जब वह 'सिटिजन सेंट्रिक' (नागरिक केंद्रित) हो। बजट और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचना ही सुशासन की असली पहचान है।

नवाचार और समन्वय से बनेगा विकसित प्रदेश: विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिया कुमारी ने तीन प्रमुख स्तंभों सुदृढ़ योजना, नवाचार और प्रभावी समन्वय पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर ही समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुँचाया जा सकता है। उन्होंने महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता जताई, ताकि राजस्थान और भारत समग्र विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके।

राष्ट्र निर्माण की पहली शर्त

कार्यक्रम में मौजूद महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव श्रीमती पूनम ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यहां की युवा ऊर्जा ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र निर्माण में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। राजस्थान को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लिए लैंगिक समानता अत्यंत आवश्यक है।'' उन्होंने महिलाओं से स्वयं पर विश्वास रखने और हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान 'महिला नेतृत्व एवं समावेशी विकास' विषय पर एक गहन पैनल डिस्कशन भी आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बजट-2026 के प्रावधानों और उनके सामाजिक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की।

जय जिनेन्द्र। श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस के अवसर पर श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कल्याण नगर, टोंक रोड पर भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात विधिवत मुनिसुव्रतनाथ विधान संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुनि श्री अनुमान सागर जी महाराज की प्रेरणा से 80 से अधिक बच्चों ने सीखी धार्मिक क्रियाएं

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के श्योपुर स्थित 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में रविवार, 12 अप्रैल को बच्चों के लिए विशेष अभिषेक और पूजन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। नई पीढ़ी को जैन संस्कारों और धार्मिक क्रियाओं से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कारों की पाठशाला

अध्यक्ष दिलीप पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनि श्री 108 अनुमान सागर जी महाराज की पावन प्रेरणा से इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसके तहत हर महीने के किसी भी एक रविवार को बच्चों के लिए विशेष अभिषेक और पूजन का आयोजन किया जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य बच्चों को मंदिर की मयार्दा और पूजन पद्धति की बारीकियों से अवगत कराना है।

80 से अधिक बच्चों की सहभागिता

कार्यक्रम संयोजक राकेश पाटनी ने बताया कि इस महीने के आयोजन में 8 वर्ष से 15 वर्ष की आयु के लगभग 80 से 90 बालक-बालिकाओं ने हिस्सा लिया। सुबह 8:30 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में बच्चों ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक किया और सामूहिक रूप से पूजन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक मंडल के अजय जैन, कुलदीप जैन, नितेश जैन, नीरज सेठी, सुनील कुमार जैन और भास्कर वाले का विशेष सहयोग रहा। महिला मंडल से महामंत्री अमिता जैन, बीना पाटनी, नीलकमल पाटनी, मंजू पाटनी, श्वेता जैन, नितिशा जैन सहित समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पुण्याजक परिवार का आभार

कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य के पुण्याजक प्रताप नगर निवासी श्रीमान सुरेश जी, श्रीमती इंदु जी गंगवाल एवं समस्त गंगवाल परिवार रहे। मंदिर समिति ने इस सार्थक पहल की सराहना करते हुए आगामी माह में भी बच्चों से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील की है।

नारी शक्ति के सशक्त प्रतिनिधित्व से संगठन को मिलेगी नई दिशा: श्याम नगर मंडल

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्याम नगर मंडल (सिविल लाइंस विधानसभा) की सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती सृष्टि सेठी को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महिला मोर्चा में रिसर्च संयोजक पद पर नियुक्त किए जाने पर उनके मानसरोवर स्थित निवास पर पारिवारिक सदस्यों एवं समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिजनों तथा विभिन्न महिला संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें शॉल और माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि सृष्टि सेठी अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से न केवल संगठन मजबूत होगा, बल्कि समाज के समग्र विकास को भी गति मिलेगी। सृष्टि सेठी की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है। सृष्टि सेठी, जो जैन समाज की दिगंबर महिला महासमिति यूथ विंग की सदस्य भी हैं, ने इस सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निभाते हुए समाज और संगठन के हित में निरंतर कार्य करती रहेंगी।

निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित, 70 रोगियों को मिला लाभ

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा एवं प्लूटो सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, हिम्मतनगर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जय हिंद सर्जिकल हॉस्पिटल, खेरवाड़ा में निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित हुआ। संस्था के अध्यक्ष मुकेश कलाल एवं सचिव जितेंद्र जैन ने बताया कि शिविर में रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. केवल पटेल ने 48 रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। इनमें से 10 रोगियों को घुटने की सर्जरी की सलाह दी गई, जबकि अन्य को व्यायाम एवं दवाइयों के माध्यम से उपचार करने की सलाह दी गई। जय हिंद हॉस्पिटल के निदेशक प्रदीप व्यास एवं मिलिंद व्यास ने बताया कि यूरो सर्जन डॉ. विपुल पटेल ने 22 रोगियों को निशुल्क परामर्श दिया, जिनमें से 5 को सर्जरी की सलाह दी गई। शिविर में गठिया, कंधे का दर्द, हड्डियों का घिसाव, गुर्दे एवं मूत्राशय की पथरी तथा किडनी संक्रमण जैसी बीमारियों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में प्लूटो हॉस्पिटल के पीआरओ नीलेश सिंह डाभी, जीएनएम रिधम सोलंकी एवं जैमिन परमार ने भी सेवाएं दीं। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा के संरक्षक दिनेश जैन, सह सचिव दिलीप जैन, पूर्व सचिव नरेश अग्रवाल, हितेश पंचोली, पूर्व अध्यक्ष हेमचंद लबाना, निर्मल गांधी, बसंत कोठारी, मुकेश पंचोली, किशोरी दवे, श्याम सुंदर सुथार, रोहित फडिया, अनिल कोठारी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

परशुराम जन्मोत्सव: 10 देशों में आयोजन, गणेश निमंत्रण से शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा मोती डूंगरी स्थित गणेश जी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया। गणेश निमंत्रण के साथ 15 दिवसीय भव्य आयोजन की शुरूआत हुई। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने सपत्निक श्रीमती नीलम मिश्रा, सुदर्शन आचार्य, आचार्य राजेश्वर जी, संजय गोस्वामी, त्रिविकामा आचार्य जी महाराज, लोकेश मिश्रा, पं. नीतीश चतुर्वेदी तथा मेहंदीपुर बालाजी के प्रतिनिधि सुदीप तिवारी सहित संत-महंतों की उपस्थिति में भगवान गणपति का विधिवत पूजन कर उन्हें समारोह हेतु आमंत्रित किया। वैदिक मंत्रोच्चारण और सस्वर पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जयपुर शहर अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि इस वर्ष भगवान परशुराम जन्मोत्सव देश के साथ-साथ विश्व के 10 प्रमुख देशों—ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, लंदन, कनाडा, इटली, अमेरिका, बैंकाक, दुबई, कतर और पोलैंड—में भी आयोजित किया जाएगा। 19 अप्रैल (अक्षय तृतीया) को इन सभी स्थानों पर विशेष कार्यक्रम होंगे। देश की सभी राजधानियों में शस्त्र पूजन भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान के सभी जिला मुख्यालयों, तहसीलों और गांव-ढाणी स्तर तक 15 दिनों तक शोभायात्रा, कीर्तन एवं सम्मान समारोह सहित विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान भगवान परशुराम के कटआउट एवं रंगीन स्टीकर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सविता शर्मा, परमिंदर शर्मा, अनिल सारस्वत, मनोज मिश्रा, एडवोकेट कमलेश शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में करीब 200 से अधिक ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी एवं गणमान्य जन शामिल हुए। युवाओं ने भगवान गणेश एवं भगवान परशुराम के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि 15 दिवसीय इस आयोजन के तहत पूरे प्रदेश में धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

वासुपूज्य भगवान की नगरी चम्पापुर पहुंचे हावड़ा के श्रद्धालु

भक्ति भाव से किया पूजन-अभिषेक

भागलपुर/हावड़ा. शाबाश इंडिया। उत्तर हावड़ा जैन समाज (डबसन रोड) के लगभग 35 श्रद्धालुओं ने रविवार, 12 अप्रैल को 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य की पावन जन्मभूमि चम्पापुर और निर्वाण भूमि मंदारगिरि की एक दिवसीय भावपूर्ण वंदना की।

धार्मिक अनुष्ठान और दर्शन

श्रद्धालुओं ने चम्पापुर स्थित भव्य जिनालय में भगवान वासुपूज्य का अभिषेक, शांतिधारा और सामूहिक पूजन किया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने पाँच बालयती मंदिरों, भव्य मानस्तम्भ और भगवान आदिनाथ की अति प्राचीन प्रतिमा के दर्शन कर धर्म लाभ लिया। 12 तारीख को 12वें तीर्थंकर की वंदना का संयोग सभी के लिए विशेष आनंदमयी रहा।

सिद्ध क्षेत्र मंदारगिरि की वंदना

बाँका जिले में स्थित मंदारगिरि पर्वत पर श्रद्धालुओं ने भगवान वासुपूज्य के तप, ज्ञान और मोक्ष स्थली के दर्शन किए। चम्पापुर क्षेत्र के कमेटी सदस्य सुमित जैन ने सभी यात्रियों का स्वागत किया और बताया कि यहाँ यात्रियों के लिए आवास व भोजन की उत्तम व्यवस्था उपलब्ध है।

राजेंद्र दर्डा का जैन विश्वभारती संस्थान में सम्मान

लाडनूं. एजेंसी

संभाजीनगर (औरंगाबाद) के राजेंद्र दर्डा, पूर्व शिक्षा मंत्री, महाराष्ट्र सरकार एवं प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र लोकमत के संपादक का जैन विश्वभारती संस्थान में कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र दर्डा और प्रो. दूगड़ के बीच शिक्षा के विकास और योजनाओं को लेकर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रो. दूगड़ ने उन्हें संस्थान की शोध परियोजनाओं, मोनोग्राफ तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। राजेंद्र दर्डा ने संस्थान की गतिविधियों, पाठ्यक्रम, पांडुलिपि संरक्षण कार्य एवं शोध कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय ''गागर में सागर'' के समान है—आकार में छोटा होने के बावजूद अत्यंत विशिष्ट और प्रभावशाली है।

मासिक धार्मिक यात्रा में गूंजे पदमप्रभु भगवान के जयकारे

आर्यिका अर्हमश्री माताजी से लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ, मानसरोवर संभाग द्वारा मासिक धार्मिक यात्रा के अंतर्गत अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा दिगंबर जैन मंदिर के लिए बस यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा प्रातः 6:30 बजे वरुण पथ स्थित दिगंबर जैन मंदिर से रवाना हुई। पदमपुरा पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने भगवान पदमप्रभु के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव से श्रीजी का कलशाभिषेक किया तथा अष्ट द्रव्यों से पूजन कर अर्घ अर्पित किए। इसके पश्चात सामूहिक रूप से चालीसा का गुणगान करते हुए मंगल आरती की गई। संघ के अध्यक्ष कुलदीप छाबड़ा एवं महामंत्री अनंत जैन ने बताया कि यह यात्रा पिछले 10 वर्षों से निरंतर प्रत्येक माह आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य ऐसे श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान करना है, जो संसाधनों या अन्य कारणों से यात्रा नहीं कर पाते हैं। वापसी में श्रद्धालुओं ने प्रताप नगर, टोंक रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान आर्यिका अर्हमश्री माताजी संघ के दर्शन कर उनका मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान माताजी ने कहा कि ''युवाओं की सबसे बड़ी ताकत एकजुटता है। यदि युवा संगठित रहें, तो वे स्वयं के साथ-साथ परिवार, समाज और धर्म की भी रक्षा कर सकते हैं।'' इस यात्रा में एकता संघ के पदाधिकारी प्रमोद बाकलीवाल, राकेश लुहाड़िया, गौरव जैन, रितेश जैन, सुदर्शन पाटनी, शशांक जैन, श्रीमती प्रिया बाकलीवाल, शिखा गंगवाल, संगीता काला, अंजना जैन, चित्रा जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

(अभिषेक जैन बिट्टू) मो.- 9829566545

राजनीति

वैश्विक राजनीति के लिए गंभीर संकेत

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का विफल होना केवल दो देशों के रिश्तों में दरार नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरे पश्चिम एशिया, वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ने वाला है। यह घटना क्षेत्र की जटिल भू-राजनीति, आपसी अविश्वास और शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा को उजागर करती है। इस विफलता के पीछे कई कारण रहे। एक ओर लेबनान में इजरायल की सैन्य कार्रवाई पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया थी, वहीं दूसरी ओर ईरान की प्रमुख मांगों को अमेरिका द्वारा स्वीकार न करना भी गतिरोध का कारण बना। ऐसे में वार्ता का परिणाम पहले से ही संदिग्ध था। पाकिस्तान की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं हुईं, लेकिन उसे पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना वास्तविकता का सरलीकरण होगा। सबसे बड़ा असर क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। पहले से ही इजरायल, लेबनान, यमन और खाड़ी देशों में तनाव बना हुआ है। वार्ता विफल होने से इन तनावों के और बढ़ने की आशंका है, जिससे परोक्ष संघर्ष तेज हो सकते हैं। अमेरिका समर्थित और ईरान समर्थित समूहों के बीच टकराव की स्थिति और गंभीर हो सकती है। दूसरा महत्वपूर्ण प्रभाव वैश्विक तेल बाजार पर पड़ेगा। ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है, और उस पर लगे प्रतिबंधों में ढील की उम्मीद से बाजार में स्थिरता आ सकती थी। लेकिन वार्ता टूटने से तेल की कीमतों में अस्थिरता बढ़ने की संभावना है, जिसका सीधा असर भारत जैसे आयातक देशों पर पड़ेगा। तीसरा पहलू अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति की सीमाओं को उजागर करता है। वर्षों की बातचीत के बावजूद ठोस परिणाम न निकलना यह दर्शाता है कि राजनीतिक हित और आपसी अविश्वास शांति प्रक्रिया में बड़ी बाधा बने हुए हैं। इससे भविष्य की वैश्विक वार्ताओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। चौथा, परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना था, लेकिन इसके विफल होने से परमाणु हथियारों की होड़ तेज होने का खतरा बढ़ गया है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। पाकिस्तान की भूमिका सीमित और परोक्ष रही है। वह लंबे समय से अमेरिका और ईरान दोनों के साथ संतुलन साधने की कोशिश करता रहा है। हालांकि उसने मध्यस्थता की इच्छा जताई, लेकिन उसकी आंतरिक चुनौतियां और सीमित प्रभाव उसे प्रभावी भूमिका निभाने से रोकते हैं।

संपादकीय

भारतीय संगीत का एक युग समाप्त

भारतीय संगीत जगत को गहरा आघात पहुंचा है। प्लेबैक सिंगिंग की अनुपम आवाज, आशा भोसले का 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। 92 वर्षीय गायिका ने मल्टी-ऑर्गन फेलियर के कारण अंतिम सांस ली। उनके पुत्र आनंद भोसले ने इस दुखद समाचार की पुष्टि की। शनिवार शाम उन्हें छाती के संक्रमण और अत्यधिक थकान के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार को उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। वे प्रसिद्ध संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर और शेवंती की पुत्री थीं तथा महान गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। संगीत परिवार में जन्मी आशा ने मात्र 10 वर्ष की आयु में अपना पहला गीत रिकॉर्ड किया। 1940 के दशक से शुरू हुई उनकी संगीत यात्रा सात दशकों से अधिक समय तक चली, जिसमें उन्होंने 12000 से भी अधिक गीत गाए। हिंदी के अलावा मराठी, बंगाली, गुजराती, तमिल, तेलुगु सहित 20 से अधिक भाषाओं में उनकी आवाज गूंजी। आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी। उन्होंने शास्त्रीय, लोक, पॉप, डिस्को और रॉक जैसी विविध शैलियों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। आर.डी. बर्मन के साथ उनकी जोड़ी भारतीय संगीत का स्वर्णिम अध्याय बन गई। 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गीत आज भी श्रोताओं के दिलों में बसे हुए हैं। उन्होंने मीना कुमारी, मधुबाला, रेखा, जीनत अमान से लेकर काजोल और उर्मिला मातोंडकर तक अनेक अभिनेत्रियों को अपनी आवाज दी। उनकी गायकी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भावनाओं की गहराई से जुड़ा एक अनुभव थी। शांत और सुकून भरे गीतों से लेकर जोश और जुनून से भरे नग्मों तक, उन्होंने हर मूड को जीवंत कर दिया। 1970-80 के दशक में उन्हें बॉलीवुड की 'डिस्को क्वीन' के रूप में भी पहचान मिली। दो बार ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकित होकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का गौरव बढ़ाया। आशा भोसले का जीवन संघर्षों से भरा रहा। पारिवारिक चुनौतियां, दो विवाह, बच्चों की जिम्मेदारियां और फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धा, इन सबके बीच उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आर.डी. बर्मन के साथ विवाह के बाद उनके करियर को नई ऊंचाइयां मिलीं। पति के निधन के बाद भी उन्होंने संगीत साधना नहीं छोड़ी और 90 के दशक में भी सक्रिय रहकर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करती रहीं। उनके निधन पर पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सरकार सहित संगीत जगत और फिल्म उद्योग से जुड़े अनेक लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुंबई के शिवाजी पार्क में राज्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाना उनकी महान कला साधना के प्रति राष्ट्र की श्रद्धांजलि है। आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत और सिनेमा के एक युग का अंत है। लता दीदी के बाद अब आशा ताई का जाना एक भावनात्मक शून्य छोड़ गया है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

समाज ही फर्जी बाबाओं को पैदा कर रहा

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

आजकल नासिक के कथित ज्योतिषी और तांत्रिक बाबा अशोक खेरात चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो इस तरह वायरल हो रहे हैं जैसे रोजमर्रा के संदेश। पिछले कुछ वर्षों में चमत्कार दिखाने और लोगों के कष्ट दूर करने का दावा करने वाले बाबाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। बीच-बीच में ऐसे मामलों का खुलासा भी होता रहता है, जिनमें ठगी, यौन शोषण और हत्या जैसे गंभीर आरोप सामने आते हैं, और कई तथाकथित बाबा जेल तक पहुंचते हैं। इसके बावजूद इनकी लोकप्रियता कम होने के बजाय बढ़ती ही दिखाई देती है। वैसे तो पूरी दुनिया में विभिन्न धर्मों में धार्मिक गुरु, उपदेशक और विचारक मौजूद हैं, लेकिन भारत में इनकी संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। हिन्दू समाज में धार्मिक प्रशिक्षण या औपचारिक मान्यता की कोई सख्त व्यवस्था न होने के कारण कोई भी प्रभावशाली वक्ता या चतुर व्यक्ति आसानी से अनुयायियों की भीड़ जुटा सकता है। इसके लिए गहरी विद्वता आवश्यक नहीं होती, बल्कि कुछ चमत्कारी प्रदर्शन और आकर्षक भाषण ही काफी होते हैं। आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है, जिससे ऐसे लोग तेजी से प्रसिद्धि हासिल कर लेते हैं। यदि किसी व्यक्ति को ज्योतिष का थोड़ा-बहुत ज्ञान हो, तो उसकी लोकप्रियता और भी तेजी से फैलती है। सुखद भविष्यवाणियां लोगों को आकर्षित करती हैं, जबकि नकारात्मक भविष्य से बचने के लिए लोग महंगे उपाय अपनाने को भी तैयार हो जाते हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर फर्जी बाबा धर्मभीरु लोगों का विश्वास जीत लेते हैं। विविधताओं से भरे भारतीय समाज जहां अनेक जातियां, वर्ग और सम्प्रदाय मौजूद हैं ऐसे लोगों को पनपने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि बार-बार धोखाधड़ी उजागर होने के बावजूद लोगों का भरोसा क्यों नहीं टूटता? इसका उत्तर मानव मनोविज्ञान में छिपा है। भय और लालच जैसी मूल प्रवृत्तियां व्यक्ति को कमजोर बनाती हैं और वह किसी सहारे की तलाश करता है। अधिकांश लोग मंदिर, मस्जिद या गिरजाघर का सहारा लेते हैं, लेकिन जब वहां भी अपेक्षित समाधान नहीं मिलता, तो वे बाबाओं के जाल में फंस जाते हैं। दरअसल, समाज और व्यवस्था में व्याप्त असमानता, भ्रष्टाचार और अवसरों की कमी ने एक असंतुष्ट और कुंठित जनमानस तैयार कर दिया है। एक ओर अत्यंत समृद्ध वर्ग अपनी शक्ति बढ़ाने में लगा है, वहीं महत्वाकांक्षी मध्यवर्ग किसी भी तरह आगे बढ़ने की कोशिश में लगा है। दूसरी ओर, निम्न वर्ग अभाव और असमानता से जूझ रहा है। ऐसे में हर वर्ग किसी न किसी रूप में तनाव और असंतोष से घिरा हुआ है। यदि वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स के आंकड़ों पर नजर डालें, तो 2025 में भारत 116वें स्थान पर रहा। यह स्थिति बताती है कि समाज में संतोष और खुशहाली का स्तर अपेक्षित नहीं है। यही असंतोष और असुरक्षा की भावना फर्जी बाबाओं के लिए उर्वर जमीन तैयार करती है। संक्षेप में कहा जाए तो असमानता, असंतोष, अभाव और अवसरों की कमी जैसे सामाजिक कारक ही ऐसे बाबाओं को जन्म देते हैं और उन्हें लोकप्रिय बनाते हैं। यदि आम नागरिक को सम्मानजनक जीवन, बेहतर शिक्षा और समान अवसर मिलें, तो वह ऐसे ढोंगियों के पास जाने की आवश्यकता महसूस नहीं करेगा। इस समस्या का समाधान केवल कानून के माध्यम से संभव नहीं है।

ऋषभ पखवाड़ा में भागीदारी पर कोचिंग में विशेष छूट की घोषणा

बामनवास. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान दिगम्बर जैन विकास समिति ने ऋषभदेव पखवाड़ा के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए विशेष पहल करते हुए कोचिंग में छूट देने की घोषणा की है। समिति के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना है। प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विद्यालयी शिक्षा विभाग और संस्कृत शिक्षा विभाग द्वारा नए शिक्षा सत्र की शुरूआत के साथ ऋषभ पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। यह केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि कक्षा के अनुसार तैयार किया गया एक समग्र शैक्षणिक कार्यक्रम है, जिसमें प्री-प्राइमरी से लेकर सीनियर कक्षाओं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियां निर्धारित की गई हैं। समिति के मंत्री आशीष जैन ने बताया कि तीर्थंकर दिवस (ऋषभ नवमी) के अवसर पर आयोजित इस पखवाड़े का उद्देश्य बच्चों पर अतिरिक्त दबाव डाले बिना उनकी प्रतिभा को निखारना है, ताकि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सहभागिता कर सकें। समिति के सचिव ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं निजी संस्थानों के प्रधानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल में सभी का सहयोग सराहनीय है। बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि बोर्ड कक्षाओं में अध्ययनरत अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, विशेष पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को कोचिंग में विशेष छूट दी जाएगी। समिति अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन ने प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी देते हुए वर्धमान कोचिंग सेंटर को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने बताया कि छूट का लाभ उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्होंने सवाईमाधोपुर जिले में आयोजित ऋषभ पखवाड़ा में भाग लिया हो तथा कोचिंग सेंटर में पंजीकरण कराया हो।

महल योजना: भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

महल योजना स्थित दिगंबर जैन मंदिर में सोमवार को मूल नायक भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निर्मला संघी के कुशल निर्देशन में हुआ। श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर श्रीजिन सहस्त्रनाम अभिषेक किया और सामूहिक पूजा-अर्चना की। इस दौरान समाज के लोगों ने भक्ति भाव के साथ विश्व शांति की मंगल कामना की। श्रीजी के जयकारों से मंदिर का वातावरण गुंजायमान रहा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण नन्हीं बालिकाओं द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। अष्ट कुमारियों के रूप में बालिकाओं ने तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ के जन्मोत्सव का सजीव मंचन किया। श्रद्धालुओं ने भगवान के बाल स्वरूप को पालना झुलाकर पुण्य लाभ कमाया। समन्वयक अभिषेक सांघी ने इस अवसर पर कहा कि भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जीवन संयम, त्याग और करुणा का जीवंत संदेश देता है, जो आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। इस मांगलिक आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित जैन समाज के सैकड़ों स्त्री-पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

वैश्य महासम्मेलन का भव्य शपथ ग्रहण समारोह

विजय गुप्ता के नेतृत्व में नई टीम ने संभाली कमान

अंबाह. शाबाश इंडिया। वैश्य महासम्मेलन अंबाह इकाई का शपथ ग्रहण एवं मिलन समारोह जैन बगीची में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सुधीर अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि नगर पालिका अध्यक्ष अंजलि जिनेश जैन सहित कई गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि सुधीर अग्रवाल ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा कि संगठन में पद से अधिक व्यक्ति का कार्य मायने रखता है। उन्होंने वैश्य महासम्मेलन को सामाजिक सशक्तिकरण का मजबूत मंच बताया। नवनियुक्त अध्यक्ष विजय गुप्ता ने अपनी प्राथमिकताएं साझा करते हुए कहा कि अब समय जमीनी स्तर पर कार्य करने का है। उन्होंने संगठन के विस्तार की योजना बताते हुए कहा कि हर मोहल्ले और वर्ग तक पहुंच बनाई जाएगी ताकि कोई भी वैश्य परिवार अछूता न रहे।

महिला और युवा शक्ति का संकल्प

महिला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती अंजलि गुप्ता ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सामाजिक सेवा को संगठन की पहचान बताया। वहीं, युवा इकाई अध्यक्ष भरत जैन 'चीकू' ने युवाओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए उन्हें सामाजिक कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

सम्मान और आगामी योजना

समारोह के दौरान विजय गुप्ता, अंजलि मोहन गुप्ता और भरत जैन ने अपने-अपने पदाधिकारियों के साथ विधिवत शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर समाज की विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। आगामी कार्ययोजना के तहत महिला सशक्तिकरण और जरूरतमंदों के लिए सहयोग कोष बनाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष वर्मा द्वारा किया गया।

भगवान मुनिसुव्रतनाथ कल्याणक पर गौ-सेवा

1500 गोवंश को अर्पित किया हरा चारा

अजमेर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र, नारेली में विशेष गौ-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन मुनि श्री 108 सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से स्थापित 51 जिन प्रतिमाओं के 3000 दिवस पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भी किया गया।

सेवा और भक्ति का संगम

श्री दिगंबर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग) द्वारा समाज श्रेष्ठी श्रीमती प्रतिभा प्रमोद सोनी और विनम्र-श्रेया सोनी परिवार के सौजन्य से ज्ञानोदय गौशाला के 1500 अशक्त गोवंश को हरा चारा अर्पित किया गया। गौशाला प्रभारी टोनी भैया ने बताया कि यहाँ निवास करने वाले गोवंश का लालन-पालन समिति और गौ-प्रेमियों के सहयोग से किया जा रहा है।

निरंतर सेवा का संकल्प

महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि समिति द्वारा अजमेर की विभिन्न गौशालाओं में समय-समय पर हरा चारा और गुड़ की सेवा दी जाती है। इस अवसर पर ब्रह्मचारी सुकांत जैन, अनिल जैन गदिया, अतुल पाटनी और सोनी परिवार सहित अनेक गौ-प्रेमी उपस्थित रहे। समाज ने इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए इसे जीव दया की दिशा में एक सार्थक कदम बताया।

ब्यावर में श्रमण संस्कृति पाठ्यक्रम परीक्षा सम्पन्न, 46 परीक्षार्थी शामिल

ब्यावर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के तत्वावधान में संचालित द्वादशवर्षीय श्रमण संस्कृति स्वाध्याय पाठ्यक्रम के अंतर्गत रविवार को श्री दिगम्बर जैन पंचायत नसियां जी में परीक्षा आयोजित की गई। पंडित घनश्याम शास्त्री एवं प्रशांत शास्त्री के सानिध्य में आयोजित इस परीक्षा में कुल 46 परीक्षार्थियों ने विभिन्न श्रेणियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व सभा हाल में श्रद्धापूर्वक णमोकार मंत्र का वाचन किया गया, जिससे वातावरण आध्यात्मिकता से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के संयोजक पंडित घनश्याम शास्त्री ने श्री दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजय फागीवाला, उपाध्यक्ष कमल रावका, उपकरण मंत्री अमित गोधा एवं पदम गंगवाल का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

नवागढ़ में प्राकृत विद्या प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य शुभारंभ

नवागढ़. शाबाश इंडिया

प्राकृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से नवागढ़ में त्रिदिवसीय प्राकृत विद्या प्रशिक्षण कार्यशाला का सोमवार प्रातः 8 बजे भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में विद्वान शिक्षकों, प्राकृत प्रेमियों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्राकृत भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्यिक समृद्धि तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण सत्रों में डॉ. आशीष जैन (दमोह), डॉ. सुनील संचय (ललितपुर), डॉ. आशीष जैन शास्त्री (बम्होरी), राजकुमार जैन शास्त्री (सागर) एवं डॉ. निर्मल जैन सहित विषय विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुधाकर पांडेय (थाना प्रभारी), श्रवण कुमार पांडेय (एसआई), चंचल शर्मा (एसआई), रोविन जैन (तहसीलदार, दमोह), श्रीपाल वांसा एवं रामनारायण यादव (सरपंच) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में प्राकृत भाषा को भारतीय संस्कृति की मूल धारा बताते हुए इसके अध्ययन-अध्यापन को समय की आवश्यकता बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलेश जैन (उदयपुर) ने प्रभावी ढंग से किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. आशीष जैन आचार्य ने बताया कि प्रथम दिवस पर विभिन्न शैक्षणिक सत्रों और समूह परिचर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों को प्राकृत भाषा की मूलभूत संरचना, व्याकरण और व्यवहारिक उपयोग से परिचित कराया गया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में सरल और व्यवहारिक पद्धति से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे प्रतिभागी प्राकृत भाषा को समझने के साथ-साथ उसे पढ़ाने में भी सक्षम बन सकें। आगामी सत्रों में प्राकृत साहित्य, अनुवाद, व्याकरण एवं शिक्षण विधियों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से सक्रिय सहभागिता और निरंतर अभ्यास का आह्वान किया गया। आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था और अनुशासन की सभी ने सराहना की। क्षेत्रीय समिति की ओर से महामंत्री वीरचंद जैन नेकौरा एवं संदीप जैन एडवोकेट ने अतिथियों का स्वागत किया।

रोटरी नेत्र शिविर में 91 मरीजों की जांच, 28 ऑपरेशन के लिए चयनित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब द्वारा रविवार को श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय, लटेरी के सहयोग से रोटरी भवन में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर नेत्र जांच करवाई। रोटरी क्लब के मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ''कैंची'' ने बताया कि शिविर में करुणानिधि सेवा समिति, अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा। सदगुरु सेवा ट्रस्ट के डॉ. पंकज शर्मा एवं शिव गणेश द्वारा कुल 91 मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 28 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा अशोकनगर में प्रतिमाह के दूसरे रविवार को यह शिविर कई वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आसपास के जिलों से भी मरीज उपचार के लिए आते हैं। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अजीत जैन (बीमा), रोटेरियन रोशन कोहली, माधव सिंह रघुवंशी, सुधीर गुप्ता, मोहर सिंह, विजय चौधरी, राम कन्हौआ, कमल सिंह रघुवंशी सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

श्री अम्बेश युवक मंडल द्वारा वर्षीतप आराधकों का सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वर्धमान कॉलोनी स्थित अम्बेश स्वाध्याय भवन में रविवार को वर्षीतप आराधकों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्षीतप जैसी अत्यंत कठोर एवं तपपूर्ण साधना पूर्ण करने वाले 15 तपस्वी भाई-बहनों का श्री अम्बेश युवक मंडल के तत्वावधान में सम्मान किया गया। मंडल के संरक्षक पंकज सूरिया, विनोद डांगी, अध्यक्ष राकेश कुकड़ा, मंत्री जितेंद्र काठेड़, अभय खाबिया एवं मुकुल सूर्या सहित पदाधिकारियों ने तपस्वियों के तप, त्याग एवं आत्मसंयम की अनुमोदना करते हुए उन्हें सम्मानित किया ओर कहा कि वर्षीतप केवल उपवास नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन, इंद्रिय-नियंत्रण और साधना का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जो व्यक्ति को आंतरिक दृढ़ता प्रदान करता है। इस अवसर पर शांति भवन के संरक्षक नवरतमल बंब, अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़, कंवरलाल सूरिया, मंत्री नवरतनमल भलावत, प्रांतीय जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष आनंद चपलोत, अम्बेश स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष नवरतनमल सूरीया, मंत्री चंचल पीपाड़ा सहित प्रमोद नाबेड़ा, रतन संचेती, सुभाष खाबिया, पंकज मेड़तवाल, मनीष बडोला, निखिल टुकलिया, राकेश कोठारी, हर्षित भलावत, राहुल मेड़तवाल, अनुराग नाहर, चंद्रप्रकाश हिरण, जयप्रकाश आंचलिया, दीपक भलावत सहित अनेक पदाधिकारी के साथ महिला मंडल से मंजू खटवड़, चंदनबाला अम्बेश की अध्यक्षा उर्मिला वागरेचा, किरण हिरण, शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्षा सिम्मी पोखरना तथा वरिष्ठ समाजसेवी कमला चौधरी की उपस्थिति भी रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण एवं नवकार महामंत्र के सामूहिक पाठ के साथ हुआ। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकड़ा एवं मंत्री जितेंद्र काठेड़ ने वर्षीतप की महत्ता बताते हुए कहा कि यह तप साधना आत्मबल, सहनशीलता और संयम का प्रतीक है, जो समाज में नैतिकता और अनुशासन के मूल्यों को सुदृढ़ करता है।

प्रवक्ता सुनिल चपलोत
9414730514

नारी शक्ति विकसित भारत की आवाज

जयपुर में महिला युवा संसद का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 'बजट क्वेस्ट 2026' के अंतर्गत जयपुर के एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज में 'महिला युवा संसद' का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष पहल का उद्देश्य युवा महिलाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ना और उन्हें भविष्य के नेतृत्व के लिए सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा और विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य सचिव (युवा मामले) श्री प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि यह आयोजन महिलाओं को 'नीति लाभार्थी' से 'नीति निमार्ता' बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने की, जिन्होंने महिला आरक्षण विधेयक की भावना को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक बताया। संसद में कुल 40 चयनित छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से 30 ने विभिन्न मंत्रालयों के मंत्रियों और 10 ने सांसदों की भूमिका निभाई। सुश्री प्राची शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित 90 मिनट के इस सत्र में प्रतिभागियों ने महिला आरक्षण विधेयक के समर्थन में प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। सत्र के अंत में विधायी संस्थाओं में महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व का समर्थन करते हुए एक साझा प्रस्ताव भी पारित किया गया। विशिष्ट अतिथि श्री प्रवीण गुप्ता ने युवा सांसदों से सीधा संवाद कर सरकारी योजनाओं पर उनके सुझाव लिए। कार्यक्रम के सफल संचालन में माय भारत के क्षेत्रीय निदेशक श्री कृष्ण लाल पार्चा, राज्य निदेशक श्री देवेंद्र व्यास और कॉलेज के एन.एस.एस. अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

पत्रकारों के लिए कमर दर्द पर हेल्थ टॉक शो आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान पत्रकार परिषद के तत्वावधान में रविवार को नारायण सर्किल स्थित डॉक्टर क्वार्टर परिसर में पत्रकारों के लिए 'कमर दर्द' विषय पर हेल्थ टॉक शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर राज्य के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कमर दर्द से बचाव और उपचार के प्रभावी तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। न्यूरो सर्जन डॉ. नवनीत अग्रवाल ने कमर दर्द से जुड़ी नसों की समस्याओं, उनके कारणों तथा सर्जिकल एवं नॉन-सर्जिकल उपचार के बारे में बताया। वहीं ऑर्थो-स्पाइन फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. हिमांशु वशिष्ठ ने फिजियोथेरेपी, सही पोश्चर और नियमित व्यायाम के महत्व पर प्रकाश डाला। राजस्थान पत्रकार परिषद के प्रदेशाध्यक्ष रोहित सोनी ने कहा कि डिजिटल कार्य और बढ़ते स्क्रीन समय के कारण पत्रकारों में कमर दर्द की समस्या तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस कार्यक्रम से पत्रकारों को काफी लाभ मिलेगा। कार्यकारी अध्यक्ष गिरिराज अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों ने विशेषज्ञों से सवाल-जवाब कर अपनी समस्याओं और भ्रमों का समाधान प्राप्त किया। महासचिव रमेश यादव ने कहा कि परिषद भविष्य में भी पत्रकारों के स्वास्थ्य जागरूकता हेतु ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

किशमिश के सेवन से मिलते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

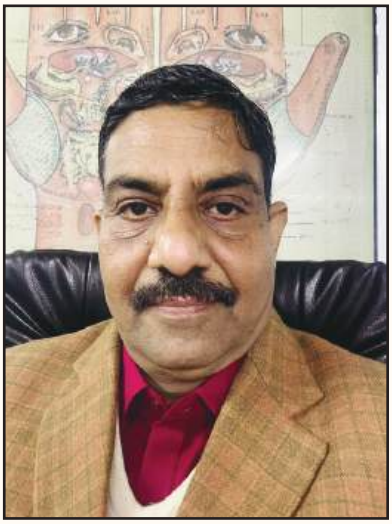

किशमिश, जिसे हम सूखे मेवे के रूप में जानते हैं, पोषक तत्वों से भरपूर होती है और स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। इसमें आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाने में सहायक होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह खाली पेट भिगोई हुई किशमिश का सेवन करने से विशेष लाभ मिलता है। यह रक्त निर्माण में मदद करती है तथा वात, पित्त और कफ जैसे दोषों को संतुलित रखने में सहायक होती है।

त्वचा के लिए लाभकारी: नियमित सेवन से त्वचा में निखार आता है और झुर्रियों में कमी हो सकती है।

पाचन तंत्र मजबूत: फाइबर युक्त होने के कारण यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है और पेट को स्वस्थ रखती है।

हृदय स्वास्थ्य: किशमिश का पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल स्तर नियंत्रित रखने में मदद मिल सकती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम कम होता है।

कब्ज में राहत: यह प्राकृतिक रूप से कब्ज दूर करने में सहायक होती है।

लिवर और डिटॉक्स: नियमित सेवन से शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलने में मदद मिलती है और लिवर को लाभ पहुंचता है।

ऊर्जा का स्रोत: इसमें ग्लूकोज होने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है और वजन बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

एनीमिया में सहायक: आयरन से भरपूर होने के कारण यह खून की कमी दूर करने में मदद करती है।

लो ब्लड प्रेशर में लाभ: भिगोई हुई किशमिश का नियमित सेवन कमजोरी और चक्कर जैसी समस्याओं में सहायक हो सकता है।

हड्डियों की मजबूती: इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

हालांकि, किसी भी स्वास्थ्य समस्या में इसे औषधि के रूप में उपयोग करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित है।

डॉ. पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद विशेषज्ञ, एक्यूप्रेशर सेवा समिति, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

समाज सेवा में अग्रणी 7 महिलाओं को 'सावित्रीबाई फुले शक्ति पुरस्कार'

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर की विख्यात स्वयंसेवी संस्था साईंनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 199वीं जन्म जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने सामाजिक सरोकारों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 7 महिलाओं को 'सावित्रीबाई फुले एक्सीलेंस अवार्ड 2026' से सम्मानित किया।

इन महिलाओं का हुआ सम्मान

पुरस्कार पाने वालों में अमिता गर्ग (निशुल्क कोचिंग), प्रियंका गोयल व ज्योति मिश्रा (कच्ची बस्ती शिक्षा-स्वास्थ्य), प्रभा स्वर्णकार (फैशन-ब्यूटी प्रशिक्षण), जया मनराल (योग), प्रियंका सचदेवा और दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'विराट' की सचिव (बालिका शिक्षा) शामिल रहीं। सभी को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और उपहार भेंट किए गए।

सेवा से ही राष्ट्र निर्माण

मुख्य अतिथि राजीव अरोड़ा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने सामर्थ्य अनुसार समाज सेवा में योगदान देना चाहिए। राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स के डॉ. के.एल. जैन ने महिला शक्ति के सेवा भाव की सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. आलोक गुप्ता, डॉ. नितिन शारदा, बसंत जैन और गोपाल गुप्ता सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रतिभा शर्मा और नेमीचंद गुप्ता की टीम द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

महिला जैन मिलन का भावना योग शिविर, 100 लोगों ने लिया भाग

सागर. शाबाश इंडिया। विश्व योग दिवस के अवसर पर महिला जैन मिलन, क्षेत्र 10 नेहानगर शाखा द्वारा जैन धर्मशाला में भावना योग शिविर का आयोजन किया गया। परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से आयोजित इस शिविर में लगभग 100 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर वंदना के साथ हुआ। प्रशिक्षक श्रीमती सुनीता जैन ने भावना योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसके माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक ऊर्जा का विकास कर सकता है, जिससे शारीरिक एवं मानसिक क्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सुबह 30 मिनट भावना योग करने से दैनिक जीवन और कार्यक्षमता में सकारात्मक परिवर्तन आता है। इसके पश्चात कु. अंशिका जैन ने उपस्थित प्रतिभागियों को लगभग 1 घंटे तक भावना योग का अभ्यास कराया। शिविर के दौरान सभी प्रतिभागियों ने योग के लाभों को समझा और अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने बताया कि योग हमारे जीवन में शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी है। कार्यक्रम के अंत में महिला जैन मिलन द्वारा प्रशिक्षक श्रीमती सुनीता जैन एवं कु. अंशिका जैन का सम्मान किया गया। संचालन श्रीमती रुचि सेठ ने किया तथा आभार श्रीमती मनीषा जैन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पं. राजकुमार शास्त्री, मनीष शास्त्री, आर.के. जैन, राजीव भारिल्ल, अनीता जी, रितु जी, मनीषा चंदेरिया, स्मिता जी, रुचि सेठ, शालिनी बजाज, ज्योति जी, मंजू जी, रेनू जी, रजनी जी, सरिता जी, दीपा जी सहित अनेक वीरांगनाओं ने भाग लिया। **(मनीष जैन विद्यार्थी, सागर)**

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

जनगणना में शत-प्रतिशत सहभागिता का आह्वान

चांदखेड़ी (कोटा). शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र चांदखेड़ी में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन भव्यता, अनुशासन और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। देशभर से आए प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। फेडरेशन के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ श्रीजी के अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन से हुआ। इसके पश्चात महिला बैंड दल की मधुर धुनों के बीच राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा धर्म ध्वजारोहण किया गया। मुख्य पंडाल का उद्घाटन मुल्कराज-अंजली बादशाह द्वारा किया गया। वहीं चंद्रोदय ग्रुप के बालकों ने मंगलाचरण की आकर्षक प्रस्तुति देकर वातावरण को आध्यात्मिक बनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चांदखेड़ी जैन तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष हुकमचंद जैन 'काका' ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, महासचिव विनय जैन, कोषाध्यक्ष अश्विन कासलीवाल, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायका तथा आशीष सूतवाला सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन में 14 रीजन के 350 से अधिक ग्रुपों से जुड़े 1000 से अधिक पदाधिकारी सपत्नीक शामिल हुए। अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी ने जनगणना में शत-प्रतिशत सहभागिता का आह्वान करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जैन धर्म से जुड़े प्रकल्पों को गति देने पर जोर दिया। अधिवेशन संगठन की एकजुटता, सेवा और सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए चंबल रीजन को सर्वश्रेष्ठ रीजन का पुरस्कार प्रदान किया गया।

भीलवाड़ा में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब, शिव महापुराण कथा बनी आस्था का महासागर

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दौरान रविवार को आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसने भक्ति का नया इतिहास रच दिया। प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से कथा श्रवण के लिए लाखों श्रद्धालु आजादनगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में एकत्र हुए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य और आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक कोठारी के नेतृत्व में हो रहे इस आयोजन के पांचवें दिन पांडाल छोटा पड़ गया। करीब साढ़े चार लाख वर्ग फीट क्षेत्र में बने तीन विशाल डोम और अतिरिक्त टेंट भी श्रद्धालुओं की भीड़ के आगे कम साबित हुए। श्रद्धालु तेज गर्मी के बावजूद जहां जगह मिली, वहीं बैठकर श्रद्धा भाव से कथा सुनते रहे। कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिव महापुराण के विभिन्न प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''भक्त बनना, भगवान नहीं।'' उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति स्वयं को भगवान मान लेता है, वह ईश्वर से दूर हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सृष्टि के कण-कण में शिव का वास है और सच्ची भक्ति के लिए दूर तीर्थों पर जाने से पहले अपने घर के पास स्थित शिव मंदिर में श्रद्धा से जल अर्पित करना चाहिए। सोमवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष आयोजन होंगे, जिसमें रात्रि भर भजन-कीर्तन के साथ शिव आराधना की जाएगी। सात दिवसीय कथा का समापन मंगलवार को सुबह 8 से 11 बजे तक होगा। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कथा विश्राम के समय व्यासपीठ की आरती पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर, विधायक श्रीचंद कृपलानी, उदयलाल भड़ाना सहित अन्य अतिथियों ने की। आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धालुओं के लिए छाया, पानी और अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई। इसके साथ ही सोमवार को संतों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें देशभर से महामंडलेश्वर, महंत और संत शामिल होंगे। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और कई भक्तों ने अपने अनुभव साझा किए कि किस प्रकार शिव भक्ति से उनके जीवन की समस्याओं का समाधान हुआ। आयोजन समिति के अनुसार सैकड़ों कार्यकर्ता इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि भीलवाड़ा की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सफल रहा।

दीक्षा भूमि परतापुर में आचार्य प्रसन्न सागरजी का भव्य मंगल प्रवेश 15 अप्रैल को

परतापुर/बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। राजस्थान की पावन धरा और आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज की दीक्षा भूमि, परतापुर में आगामी 15 अप्रैल, बुधवार को आचार्य श्री का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश होने जा रहा है। तपस्या के सम्राट और भारत गौरव के रूप में विख्यात आचार्य श्री के आगमन को लेकर पूरे बांसवाड़ा जिले में भारी उत्साह है।

ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी

वर्षों बाद अपने दीक्षा स्थल पर लौट रहे आचार्य श्री अपने चतुर्विध संघ सहित नगर में प्रवेश करेंगे। प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पीयूष कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। परतापुर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री की अगवानी के लिए विशेष सजावट और तैयारियां की जा रही हैं।

धार्मिक कार्यक्रमों की धूम

मंगल प्रवेश के पश्चात विशाल धर्मसभा और मांगलिक प्रवचनों का आयोजन होगा। समाज के पदाधिकारियों ने समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से इस पुण्यदायी अवसर पर उपस्थित होकर आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया है। स्थानीय स्तर पर गठित विभिन्न समितियां इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के लिए दिन-रात जुटी हुई हैं।

1008 स्वर्ण कलशों से हुआ भगवान मुनिसुव्रतनाथ का अभिषेक

हर्षोल्लास से मना कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा और लदाना सहित विभिन्न जिनालयों में सोमवार को जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

अभिषेक और शांतिधारा का सौभाग्य

जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने बताया कि मुख्य समारोह फागी के मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आयोजित हुआ। यहाँ लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से जीतू कासलीवाल को प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य मिला। वहीं, भागचंद, राजकुमार, महेंद्र और माणकचंद कासलीवाल परिवार ने भगवान की शांतिधारा की। श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच 1008 स्वर्ण कलशों से श्रीजी का अभिषेक किया। इसके पश्चात अष्टद्रव्यों से विशेष पूजा-अर्चना कर सामूहिक अर्घ्य चढ़ाया गया और विश्व शांति की कामना की गई। महिला मंडल की मुन्ना कासलीवाल और मधु गिंदोड़ी ने बताया कि भगवान मुनिसुव्रतनाथ का शासन काल भगवान राम का समकालीन माना जाता है। ललिता कलवाड़ा और गुणमाला झंडा ने जानकारी दी कि तप कल्याणक के दिन भगवान ने राजगृह में अपराजिता पालकी में बैठकर 1000 राजाओं के साथ दीक्षा ग्रहण की थी।

समाज की गरिमामयी उपस्थिति

इस मांगलिक अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक कासलीवाल (जयपुर), फूलचंद गिंदोड़ी, मोहनलाल झंडा और कैलाश कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे। महोत्सव के अंत में सभी भक्तों ने भगवान के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

देव-शास्त्र-गुरु की शरण ही सच्ची शरण: आचार्य वर्धमान सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी श्याम नगर, जयपुर में संघ सहित विराजमान हैं। रविवार को आयोजित धर्मसभा में उन्होंने प्रवचन देते हुए कहा कि भगवान, गुरु और धर्म की शरण ही जीवन की सच्ची शरण है। संसार के सभी संबंध और साधन अस्थायी हैं, जबकि आत्मा शाश्वत है। आचार्य श्री ने नमस्कार महामंत्र के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम सभी इसका जाप तो करते हैं, लेकिन इसके गूढ़ अर्थ को समझना भी आवश्यक है। यह मंत्र पंच परमेष्ठी–अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु–की वंदना है, जो आत्मकल्याण का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि सच्चा मंगल बाहरी आयोजनों में नहीं, बल्कि धर्म, संयम और आत्मचिंतन में निहित है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति के साथ विनय (नम्रता) और शुद्ध आचरण भी आवश्यक है। प्रत्येक जीव में आत्मा का वास है, इसलिए सभी के प्रति करुणा और समभाव रखना चाहिए। मानव शरीर को आत्मा का मंदिर बताते हुए उन्होंने इसे दुर्लभ और अमूल्य बताया। आचार्य श्री ने पूर्वाचार्यों की परंपरा और आगम ग्रंथों को जीवन का मार्गदर्शक बताते हुए उन्हें संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म के मार्ग में स्त्री और पुरुष

दोनों की समान सहभागिता है। प्रवचन के दौरान उन्होंने सभी को लज्जा, मर्यादा, भक्ति और सदाचार के साथ जीवन जीने तथा भगवान की शरण में रहकर आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। धर्मसभा में प्रतिदिन विभिन्न नगरों से श्रद्धालु आचार्य श्री के दर्शन हेतु पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर उदयपुर के विधायक ताराचंद जैन तथा श्राविका रत्न, 6 प्रतिमा व्रतधारी श्रीमती सुशीला पाटनी (आरके मार्बल, किशनगढ़) भी दर्शन हेतु उपस्थित रहीं।

30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल हुआ दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, प्रतापगढ़ को मिले 6 अवॉर्ड

प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन चांदखेड़ी तीर्थ क्षेत्र, झालावाड़ में सम्पन्न हुआ, जिसमें प्रतापगढ़ ग्रुप ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। ग्रुप के मीडिया प्रभारी मुकेश जैन सिद्धि ने बताया कि अध्यक्ष राजेश कोठारी के नेतृत्व एवं सचिव मनीष सालगिया के निर्देशन में प्रतापगढ़ ग्रुप ने अधिवेशन में हिस्सा लिया। कार्यक्रम पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन एवं चांदखेड़ी तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष हुकुमचंद जैन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। अधिवेशन का शुभारंभ पुण्यार्जक परिवारों द्वारा ध्वजारोहण से किया गया, जिसके पश्चात देशभर से आए लगभग 300 ग्रुपों के प्रतिनिधियों ने बैनर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। इस दौरान वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं ग्रुपों को सम्मानित किया गया। प्रतापगढ़ ग्रुप ने अधिवेशन में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए पहली बार 6 पुरस्कार अपने नाम किए। इनमें ''बेस्ट स्टार ऑफ द ईयर'' एवं ''बेस्ट सचिव'' का पुरस्कार अंकित जैन को, 'बेस्ट कोषाध्यक्ष' का पुरस्कार देवेंद्र कुमार बंडी को प्रदान किया गया। इसके अलावा 'बेस्ट ग्रुप' एवं 'बेस्ट ग्रुप विस्तारक' सहित अन्य श्रेणियों में भी प्रतापगढ़ ग्रुप को सम्मानित किया गया। अधिवेशन के दौरान राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं अतिथियों ने जैन समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष राजेश कोठारी ने शीर्ष नेतृत्व के समक्ष आगामी वर्ष 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन प्रतापगढ़ में आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा, जिस पर समिति द्वारा आगामी बैठक में विचार करने की बात कही गई। अधिवेशन में देशभर से लगभग 1300 सदस्य शामिल हुए, जिनमें उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धर्म प्रभावना रैली से गुंजायमान हुआ जयपुर हाउस, सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता

आगरा. शाबाश इंडिया

मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में सोमवार को जयपुर हाउस क्षेत्र में 25 समोशरण धर्म प्रभावना के अंतर्गत भव्य मोटरसाइकिल एवं स्कूटर रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और युवा श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र धर्ममय वातावरण में रंग गया। रैली का शुभारंभ उपाध्याय श्री के मंगल सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष राकेश जैन 'पर्दे वाले' ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मंत्रोच्चारण और जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने 'जय जिनेन्द्र' के उद्घोष के साथ धर्म प्रभावना का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर जयपुर हाउस के विभिन्न मार्गों से होती हुई प्रताप नगर क्षेत्र तक निकाली गई। श्रद्धालुओं ने अपने वाहनों पर धर्म ध्वज, बैनर और पोस्टर लगाए, जिन पर 25 समोशरण महामंडल विधान के संदेश अंकित थे। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने रैली को और अधिक आकर्षक बना दिया। मार्ग में कई स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया। अनुशासन, उत्साह और भक्ति भाव से परिपूर्ण इस आयोजन ने सभी का मन मोह लिया। जगह-जगह धार्मिक गीतों और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। आयोजकों ने बताया कि यह रैली 14 अप्रैल से श्रीराम पार्क, जयपुर हाउस में प्रारंभ होने वाले 25 समोशरण महामंडल विधान के

प्रचार-प्रसार हेतु निकाली गई है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को धर्म से जोड़ना और आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना है। रैली में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन की भव्यता और अनुशासन की व्यापक सराहना की गई। इस अवसर पर राकेश जैन 'पर्दे वाले', दीपक जैन, अजय जैन, सुबोध जैन, अनिल जैन, शैलू जैन, राहुल जैन, रवीश जैन, बॉबी जैन, मनोज जैन, अखिल जैन, अमित सेठिया, पंकज जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। महिला वर्ग से पूजा जैन, निशिता जैन, नीतू जैन, वंदना जैन, प्रिया जैन, नितिका जैन, ऋचा जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। **(रिपोर्ट: शुभम जैन)**

शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखरजी की पावन धरा पर आचार्य वसुनंदी महाराज का भक्ति-मय ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

राजस्थान से गए सैकड़ों श्रद्धालु मधुवन में भावपूर्ण आगवानी के बने साक्षी

मंगल प्रवेश में अनेक मुनि संघों का हुआ भावुक मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखरजी की पावन धरा पर सोमवार, 13 अप्रैल को प्रातः शुभ बेला में परम पूज्य अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, अक्षर शिल्पी, प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ (तीस पिच्छिका) का भव्य एवं दिव्य मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। हजारों श्रद्धालु गुरु आगवानी में भक्ति भाव से झूम उठे। पूर्व से विराजित वरिष्ठ आचार्यों ने मंगल आशीर्वाद प्रदान किया, वहीं सुशिष्य मुनिराजों, अन्य संतों एवं आर्यिका संघों ने भी गुरुवर की भावपूर्ण आगवानी की। इस अवसर पर आचार्य श्री सम्भव सागर महाराज से मिलन का दृश्य अत्यंत भाव-विभोर करने वाला रहा।

शाश्वत तीर्थ की ओर प्रथम चरण: धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि जैसे ही गुरुवर के चरण सिद्धायतन से तेरापंथी कोठी की ओर बढ़े, वैसे ही विभिन्न प्रांतों से आए श्रद्धालु स्थान-स्थान पर पाद प्रक्षालन एवं आरती के लिए उमड़ पड़े। गुरुवर के शिष्यों से मिलन के दौरान गुरु-शिष्य प्रेम का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां सभी ने भावविभोर होकर एक-दूसरे को स्नेहपूर्वक आलिंगन किया।

वसुनंदी उवाच: आचार्य श्री वसुनंदी महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि यह शाश्वत तीर्थ है, जहां कण-कण में अद्भुत शक्ति समाहित है। हमें पर्वत के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता एवं प्राकृतिक संतुलन का विशेष ध्यान रखना चाहिए और तीर्थराज सम्मेद शिखर के प्रति श्रद्धा, भक्ति एवं समर्पण बनाए रखना चाहिए।

पुस्तक विमोचन: तेरापंथी कोठी मधुबन के पदाधिकारियों–अजित जैन पांड्या (अध्यक्ष), विनीत जैन झांझरी, संतोष सेठी (कोषाध्यक्ष) आदि द्वारा चित्र अनावरण एवं अतिथियों का अभिनंदन किया गया। धर्म जागृति संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के उपरांत आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट की गई। इसके पश्चात आचार्य श्री द्वारा रचित तथा उपाध्याय प्रज्ञा नंद जी मुनिराज द्वारा संपादित सोलह कारण विधान पुस्तक का विमोचन डॉ. नीरज जैन, पदम जैन बिलाला, गौरव जैन एवं अंकुर जैन द्वारा किया गया।

108 मीटर लंबा पंचरंगा जैन ध्वज बना आकर्षण

मंगल प्रवेश के दौरान धर्म जागृति संस्थान द्वारा 108 मीटर लंबा पंचरंगा जैन ध्वज यात्रा का विशेष आकर्षण रहा। इस अवसर पर 108 पात्रों में मंगल कलशों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया गया तथा जगह-जगह आरती सम्पन्न हुई।

मुनि संघों का अद्भुत मंगल मिलन

कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया के अनुसार आचार्य वैराग्यनंदी महाराज, आचार्य ज्ञेय सागर महाराज, आचार्य मोक्ष सागर महाराज, मुनि आराध्य सागर महाराज एवं उपाध्याय वृषानंद महाराज ससंघ सहित अनेक मुनि एवं आर्यिका संघों का अद्भुत मिलन हुआ। यह दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो समवसरण धरा पर अवतरित हो गया हो।

धर्मसभा का आयोजन

तेरापंथी कोठी के प्रवचन हॉल में धर्मसभा का शुभारंभ आर्यिका वर्धस्व नंदनी माताजी के मंगलाचरण से हुआ। मुनि शिवानंद महाराज ने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम शाश्वत तीर्थ की रक्षा करें तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग रहें। इस हेतु औषधीय गुणों वाले पौधों के बीज भी वितरित किए गए।

गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम में संस्थान के संरक्षक रमेश गर्ग (आईपीएस), वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन जैन चौधरी (अलवर), संयुक्त मंत्री संजय जैन बड़जात्या (कामा), कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया सहित मनीष जैन, राजेंद्र जैन, महीप जैन, पवन जैन नगीना, निशा जैन, रानी जैन, संजना जैन तथा राष्ट्रीय पदाधिकारी विनोद जैन, भूपेंद्र जैन (दिल्ली), संजय जैन (दिल्ली) आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। संघ का बुधवार को पहाड़ पद वंदन कार्यक्रम प्रस्तावित है।

जैन मित्र मंडल के नवीन पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

सीकर. शाबाश इंडिया

सीकर जैन समाज की अग्रणी संस्था जैन मित्र मंडल में नवीन पदाधिकारियों का चुनाव डॉ. संतोष कुमार जैन के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया के दौरान कजोड़मल छाबड़ा, पदमचंद पिताका, विनोद जयपुरिया, सुनील दीवान, सुशील बड़जात्या, प्रवीण संगही एवं पवन छाबड़ा (पालवास) को संचालक मंडल का सदस्य बनाया गया। प्रबंध समिति में महेश बड़जात्या को अध्यक्ष, नरेंद्र सेठी को उपाध्यक्ष, संजय काला (धोद) को मंत्री, संजय छाबड़ा को उपमंत्री, कमल संगही को कोषाध्यक्ष, दीपक सेठी 'टोनी' को सांस्कृतिक मंत्री तथा राजीव झांझरी को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया। इसके साथ ही अजीत पिराका, मनोज ठोलिया, विनोद संगही, निर्मल छाबड़ा एवं मुंडोता को सदस्य बनाया गया। संस्था द्वारा संचालित स्थायी सेवा प्रकल्प 'जीवन सुधा जैन डिस्पेंसरी', जहां एक्यूप्रेशर चिकित्सा की जाती है, के लिए मुकेश कुमार जैन को संयोजक एवं प्रियंक गंगवाल को सहसंयोजक नियुक्त किया गया। इस अवसर पर नवीन सदस्यों का स्वागत किया गया। पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री ने संस्था के पूर्व में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मुनि विकसंत सागर जी के सानिध्य में कलशाभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। श्री नागौरी मंदिर, कुचामन सिटी में परम पूज्य पट्टाचार्य आचार्य 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य उपाध्याय मुनि 108 श्री विकसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में कलशाभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन श्रद्धापूर्वक सम्पन्न हुआ। विनोद झांझरी के अनुसार शांतिधारा का पुण्यार्जन ज्ञानचंद-अर्पित कुमार पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुमेरमल बज, बाबूलाल पहाड़िया, अजित पहाड़िया, सौभागमल गंगवाल, सुभाष रांवका, संजय सेठी एवं अशोक झांझरी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। वर्षा झांझरी ने मंगलाचरण प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बनाया। प्रवचन के दौरान उपाध्याय श्री विकसंत सागर जी महाराज ने समाज को पंथवाद से ऊपर उठने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त कर सदाचार का पालन करते हुए धर्म मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए, तभी आत्मकल्याण संभव है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और धर्म लाभ प्राप्त किया। (सुभाष पहाड़िया)

अलविदा सुरों की मलिका–आशा ताई

रात की खामोशी में चाँदनी मुस्कुराती है,
कहीं दूर से उनकी आवाज चली आती है।
कभी ''पिया तू अब तो आजा'' की धुन,
दिल को फिर से मचलाने लगती है सुन।

कभी 'दम मारो दम' की मस्ती निराली,
रूह में भर जाती है रंगों की लाली।
हर युग, हर दौर में उनका जादू है कायम,
सदियों गूंजेगा यह सुर, हर पीढ़ी में नायाब।

गजल हो, ठुमरी या फिल्मी तराने,
हर अंदाज में उन्होंने दिलों को पहचाने।
मधुर स्वर की छाया हर मन को छू जाती,
संगीत की दुनिया में सबको रमा जाती।

आशा जी ने संगीत में अमिट छाप छोड़ी,
हर गीत में जैसे जीवन की धड़कन जोड़ी।
उनकी मीठी तान सुन हर दर्द मिट जाता,
हर सुर जैसे दिल का सहारा बन जाता।

आज आँखें नम हैं, मन भी उदास है,
जैसे कोई अपना ही हमसे दूर पास है।
पर उनकी आवाज सदा साथ निभाएगी,
हर दिल में आशा बनकर मुस्कुराएगी।

– संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर, मध्य प्रदेश

बंगीय हिन्दी परिषद् में बहुभाषी काव्य गोष्ठी सम्पन्न

कोलकाता. शाबाश इंडिया। कोलकाता की ऐतिहासिक संस्था बंगीय हिन्दी परिषद् में 'कवि कल्प' की बहुभाषी काव्य गोष्ठी का आयोजन डॉ. अभिज्ञात की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेराज खान बातिश एवं विशिष्ट अतिथि प्रतिभा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वर साम्राज्ञी आशा भोंसले तथा सरदारमल कांकरिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए परिषद् के उपाध्यक्ष राम पुकार सिंह गाजीपुरी ने उपस्थित कवियों और श्रोताओं को संस्था की ऐतिहासिक विरासत से अवगत कराया। इसके पश्चात हिमाद्रि मिश्र 'हिम' ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को साहित्यिक गरिमा प्रदान की। गोष्ठी में बंगाली, भोजपुरी, मैथिली, पंजाबी, उर्दू और हिन्दी सहित विभिन्न भाषाओं के कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मानस कुमार, रंजना झा, मुज्तर इफ्तिखारी, चंद्र किशोर चौधरी, जीवन सिंह, विजय इस्सर, विश्वजीत ठाकुर, प्रणति ठाकुर, कृष्ण कुमार दूबे, आलोक चौधरी, उषा जैन, कमलापति पांडेय, प्रवेश पटियालवी, मिली दास, धर्म दूबे, आफताब अहमद खान, गणेश नाथ तिवारी, नीलू मेहरा, लक्ष्मी जायसवाल, कृष्णानंद मिश्र, अश्विनी झा, आयाम झा सहित अनेक कवियों ने भाग लिया।

जनसेवा की दिशा में बड़ी पहल

जयपुर में 'मल्टीस्पेशियलिटी सर्जरी परामर्श सप्ताह' का भव्य शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित मेट्रो मास हार्ट केयर एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सोमवार को 'मल्टीस्पेशियलिटी सर्जरी परामर्श सप्ताह' का गरिमामय आगाज हुआ। यह आयोजन आमजन को रियायती दरों पर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा रहे, जिन्होंने अस्पताल की इस पहल को समाज के हर वर्ग के लिए हितकारी बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में 'ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन' के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर मौजूद रहे। मेट्रो हॉस्पिटल की डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रितु चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए चिकित्सा सेवाओं के विस्तार पर प्रकाश डाला। इस परामर्श सप्ताह के दौरान अस्पताल में जनरल सर्जरी, ऑथोपेडिक, न्यूरो, गाइनेकोलॉजी, यूरोलॉजी और हार्ट सर्जरी जैसी विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा मरीजों के लिए ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और ईसीजी जैसी आवश्यक जांचें पूरी तरह निशुल्क रखी गई हैं। इसके अतिरिक्त, ओपीडी और आईपीडी सेवाओं पर भी विशेष छूट प्रदान की जा रही है। समारोह में प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ. रिंकू कुमार शर्मा, डॉ. मोहित चतुवेर्दी और मनीषा जैन सहित कई गणमान्य चिकित्सक उपस्थित रहे। अतिथियों ने इसे सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए आमजन से अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। अस्पताल प्रबंधन ने दोहराया कि ऐसे प्रयास जयपुर को एक स्वस्थ और सशक्त शहर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में विद्यासागर सोशल ग्रुप को कई अवार्ड

सतीश-सरिता जैन श्रेष्ठ अध्यक्ष, मनोहर झांझरी बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ''विद्यासागर'', इंदौर ने चांदखेड़ी तीर्थ क्षेत्र, खानपुर (राजस्थान) में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में सक्रिय भागीदारी निभाई। अधिवेशन में वर्ष 2025 के उत्कृष्ट कार्यों के लिए ग्रुप को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ग्रुप को 'श्रेष्ठ अध्यक्ष' का सम्मान सतीश जैन एवं सरिता जैन (इला बैंक) को प्रदान किया गया, जबकि 'श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष' का पुरस्कार राजेंद्र जैन एवं रविता जैन को मिला। इसके अलावा धार्मिक गतिविधियों, सामाजिक सेवा, मानव सेवा, मनोरंजन गतिविधियों एवं शिक्षा सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भी ग्रुप को सम्मानित किया गया। फेडरेशन की देश-विदेश में लगभग 361 शाखाएं हैं। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में करीब 750 सदस्यों की उपस्थिति रही। अधिवेशन के दौरान मनोहर झांझरी (इंदौर) को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष, विनय जैन (जबलपुर) को महासचिव तथा अश्विन कासलीवाल (उज्जैन) को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। अधिवेशन में विद्यासागर सोशल ग्रुप के परामर्शदाता आर.के. जैन (एक्स), अध्यक्ष सतीश जैन (इला बैंक), कार्याध्यक्ष सुनील जैन (एक्स), सचिव संतोष जैन (एमपीईबी), पूर्व अध्यक्ष जे.के. जैन, संचालक मंडल सदस्य के.एल. जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सतीश जैन ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ प्रातः आदिनाथ भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुआ, जिसके पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जियोफोन पर मिलेगी बैंकिंग सुविधा, 'बीओबी वर्ल्ड लाइट' एप लॉन्च

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस जियो ने डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ मिलकर फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिए ''बीओबी वर्ल्ड लाइट'' मोबाइल बैंकिंग एप लॉन्च किया है। यह एप विशेष रूप से जियोफोन प्राइमा 4जी डिवाइस के लिए तैयार किया गया है, जिससे बिना स्मार्टफोन के भी लाखों लोग डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। यह एप फीचर फोन उपयोगकर्ताओं को यूपीआई के माध्यम से भुगतान, पैसे ट्रांसफर, बिल भुगतान तथा अन्य दैनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह कम इंटरनेट स्पीड और कीपैड फोन पर भी आसानी से संचालित हो सके। इस साझेदारी के तहत 'बीओबी वर्ल्ड लाइट' एप जियोफोन प्राइमा 4जी में पहले से इंस्टॉल मिलेगा, जिससे उपयोगकर्ता इसे सीधे होम स्क्रीन से एक्सेस कर सकेंगे। वहीं, मौजूदा जियोफोन उपयोगकर्ता इसे जियोस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। यह एप बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहकों के साथ-साथ अन्य बैंकों के ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध होगा, जहां वे सरल प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकरण कर सकेंगे। लॉन्च के अवसर पर रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के प्रेसिडेंट सुनील दत्त ने कहा कि जियो का लक्ष्य किफायती और व्यापक स्तर पर डिजिटल सेवाओं को देश के हर नागरिक तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि जियोफोन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ यह साझेदारी उसी प्रयास का विस्तार है। कंपनी के अनुसार, जियो के मजबूत डिजिटल नेटवर्क और बैंक ऑफ बड़ौदा के व्यापक ग्राहक आधार के सहयोग से यह पहल ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में डिजिटल बैंकिंग की पहुंच को और सुदृढ़ करेगी।

संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज का महामंडलेश्वर पद पर पट्टाभिषेक

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। भीलवाड़ा के संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज अब 'महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज' के नाम से जाने जाएंगे। सोमवार को आजादनगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड में आयोजित एक भव्य और गरिमापूर्ण समारोह में श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े के प्रमुख संतों की मौजूदगी में उनका पट्टाभिषेक संपन्न हुआ। यह समारोह अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रविन्द्रपुरी महाराज के सानिध्य में हुआ, जबकि अध्यक्षता उज्जैन के महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी महाराज ने की। पंडित अशोक व्यास के निर्देशन में हुए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देहरादून के महामंडलेश्वर महेशानंद गिरी महाराज ने पट्टाभिषेक की प्रक्रिया पूरी कराई। इस अवसर पर भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल और विधायक अशोक कोठारी भी मंच पर उपस्थित रहे।

चादर ओढ़ाकर किया अभिनंदन

पट्टाभिषेक के बाद महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज को निरंजनी अखाड़े की ओर से पहली चादर ओढ़ाई गई। इसके पश्चात हरिशेवाधाम के महामंडलेश्वर हंसरामजी उदासीन, प्रयागराज के महंत बलवीरगिरी महाराज और चित्तौड़गढ़ के महंत रामनारायण पुरी सहित 200 से अधिक संतों और भक्तों ने चादर ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्रपुरी महाराज ने बताया कि धर्म और समाज के प्रति बाबूगिरी महाराज की सेवाओं को देखते हुए पंच परमेश्वरों ने उन्हें यह उच्च पद देने का निर्णय लिया है। पट्टाभिषेक से पूर्व अग्रसेन भवन में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने भी शिरकत कर संतों का आशीर्वाद लिया।

धुलियान महिला समाज ने की मुर्शिदाबाद जिले के 8 तीर्थ क्षेत्रों की वंदना

धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया। पश्चिम बंगाल के धुलियान जैन महिला समाज द्वारा रविवार, 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न जैन तीर्थ स्थलों की एक दिवसीय भक्तिमय यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा धुलियान महिला समाज की मंत्राणी श्रीमती स्नेहा अजमेरा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुई। धुलियान से शुरू हुई इस यात्रा के दौरान महिला समाज ने जिले के 8 प्रमुख गांवों और नगरों के जिनालयों के क्रमानुसार दर्शन किए। तीर्थयात्रियों ने सबसे पहले बहरमपुर के मंदिर में पूजा-अर्चना की, जिसके बाद जियागंज, लालगोला, सन्मतिनगर, जंगीपुर, गनकर और अरगाबाद के मंदिरों में वंदना की। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने अपनी नगरी धुलियान लौटकर अंतिम दर्शन किए। संजय बड़जात्या ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान सभी तीर्थ क्षेत्रों में महिला समाज का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रत्येक मंदिर में शांतिधारा और सामूहिक पूजन कर विश्व शांति की मंगल कामना की। इस यात्रा ने न केवल समाज की महिलाओं को धार्मिक रूप से जोड़ा, बल्कि आपसी एकता और वात्सल्य भाव को भी सुदृढ़ किया। अपार उत्साह और भक्ति के साथ यह सुखद तीर्थयात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

महावीर इंटरनेशनल अरथूना का फिजियोथेरेपी शिविर सम्पन्न, 205 मरीजों को मिला लाभ

अरथूना. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल केंद्र अरथूना के सौजन्य से 7 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक आयोजित फिजियोथेरेपी शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। पांच दिवसीय इस शिविर में कुल 205 मरीजों का फिजियोथेरेपी के माध्यम से उपचार किया गया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ डॉ. रूपेश पवार ने मरीजों को घर पर फिजियोथेरेपी करने के तरीके, एक्यूप्रेशर तकनीक तथा उचित खानपान संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इससे उपस्थित मरीजों को स्वास्थ्य सुधार के प्रति जागरूकता मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र अध्यक्ष राजमल सोनी, सचिव दिलीप दोसी, कोषाध्यक्ष केसरीमल दोसी, उपाध्यक्ष गेंदालाल जैन, नितेश मेहता, सुभाष सोनी, भरत दरजी, प्रकाश पंचाल एवं मुकेश पाटीदार सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। शिविर का संचालन राजमल सोनी ने किया, जबकि आभार दिलीप दोसी ने व्यक्त किया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

"ओसवाल सभा उदयपुर की 'मंथन' कार्यशाला सम्पन्न"

उदयपुर. शाबाश इंडिया। ओसवाल सभा उदयपुर के प्रधान प्रकाश चन्द्र कोठारी नेतृत्व में रविवार को 'सीक्रेट रिजॉर्ट' के सुरम्य वातावरण में 'मंथन' कार्यशाला के रूप में कार्य परिषद की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई जिसमें 55 सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। यह कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गई। प्रातः 9 से 11:30 बजे तक चले प्रथम सत्र का आगाज नवकार महामंत्र व ओसवालसभा सचिव डॉ. प्रमिला जैन के स्वरचित 'ओसवाल सभा गान' से किया गया। रानू मेहता व मनीषा अलावत द्वारा मंगलाचरण की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। सचिव डॉ. प्रमिला जैन द्वारा पूर्व बैठक के मिनिट्स का वाचन कर सर्वानुमति से अनुमोदन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि- हमें ओसवालसभा के रूप में एक ऐसा प्रतिष्ठित मंच मिला हैं जिसकी उदयपुर शहर ही नहीं दूर-दूर तक एक पहचान है जो कि 'काम बोलता है' का परिणाम है। हमें इसे बनाए रखते हुए अपनी प्रतिभा व क्षमता से समाजहित में कार्य करते हुए इसे कायम रखना है। उपस्थित सभी सदस्यों ने बारी-बारी से अपनी कार्ययोजना के बारे में विस्तृत विचार व सुझाव साझा किए। 11:45 से 2:00 बजे तक चले द्वितीय सत्र में ओसवालसभा अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी ने सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई कार्ययोजना व सुझावों पर विस्तृत विवेचन के साथ चर्चा कर सभी सदस्यों को कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यशाला में कार्य परिषद सदस्यों कीसभ प्रधान के साथ स्वयं की फोटो वाली तीन वर्ष के विवरण रखने वाली कस्टमाइज्ड डायरी का विमोचन भी किया गया। साथ ही सदस्यों को अपने दायित्वों को डायरी में लिपिबद्ध करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि ओसवाल सभा के उदयपुर शहर के सभी पंजीकृत सदस्यों के घर के बाहर 'ओसवाल सभा सदस्य' की गरिमामयी नेम प्लेट लगाई जाए। साथ ही ओसवाल प्रोफेशनल प्रकोष्ठ व ओसवाल युवक प्रकोष्ठ द्वारा अभी तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सभी प्रकोष्ठों को भावी कार्यक्रमों हेतु शुभकामनाएं दी। कोषाध्यक्ष धीरज भाणावत ने सदस्यों से प्राप्त हुए कुछ सुझावों पर अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता से सदन को अवगत कराया।

चांदखेड़ी में महाकोशल-विंध्य रीजन का दबदबा

राष्ट्रीय अधिवेशन में जीते 26 अवार्ड, सीए मनोज जैन बने देश के सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष, जबलपुर के ग्रुप्स ने गाड़े सफलता के झंडे

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया

राजस्थान के प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी में आयोजित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में महाकोशल-विंध्य रीजन ने इतिहास रच दिया है। देशभर से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस रीजन ने अपनी सेवा गतिविधियों के दम पर कुल 26 राष्ट्रीय पुरस्कारों पर कब्जा किया। अधिवेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' ने किया।

मनोज जैन को मिला सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का गौरव

रीजनल उपलब्धियों में महाकोशल-विंध्य रीजन के अध्यक्ष सीए मनोज जैन को 'देश का सर्वश्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष' चुना गया। वहीं, रीजन के कोषाध्यक्ष सुनील घिया को 'श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष' के सम्मान से नवाजा गया। ये पुरस्कार वर्ष 2025 के दौरान किए गए उत्कृष्ट सामाजिक और धार्मिक कार्यों के लिए प्रदान किए गए।

जबलपुर के ग्रुप्स की अवार्ड हैट्रिक

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन के अनुसार, जबलपुर के विभिन्न ग्रुप्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

जबलपुर मेन ग्रुपः कुल 8 अवार्ड जीते। मुल्कराज बादशा को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का सम्मान मिला। साथ ही पर्यावरण संरक्षण में ग्रुप दूसरे स्थान पर रहा।

जबलपुर नगर ग्रुपः कुल 12 अवार्ड जीतकर सबसे सक्रिय ग्रुप साबित हुआ। प्रफुल्ल-रीता जैन को श्रेष्ठ अध्यक्ष चुना गया। ग्रुप ने मानव सेवा, शिक्षा और चिकित्सा जैसे 7 विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कार प्राप्त किए।

संस्कारधानी ग्रुपः श्रेष्ठ ग्रुप और श्रेष्ठ अध्यक्ष सहित कुल 6 श्रेणियों में अवार्ड अपने नाम किए।

राष्ट्रीय टीम में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अधिवेशन के मंच से एक बड़ी घोषणा की गई, जिसमें जबलपुर मेन ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य विनय-अनिता जैन को वर्ष 2026 के लिए पुनः फेडरेशन का 'राष्ट्रीय महासचिव' मनोनीत किया गया। यह मनोनयन संरक्षिका पुष्पा प्रदीप सिंह कासलीवाल की अनुशंसा पर किया गया।

संपादकीय उत्कृष्टता का सम्मान

अधिवेशन की स्मारिका 'चंद्रोदय घोष' के त्रुटिरहित संपादन के लिए प्रधान संपादक प्रशांत जैन और उनकी टीम को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, फेडरेशन के मुखपत्र 'युग अस्तित्व बोध' के संपादन के लिए डॉ. संजय चंद्रा चौधरी को भी राष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिला।

महाकोशल-विंध्य रीजन की इस अभूतपूर्व सफलता ने राष्ट्रीय स्तर पर समाज के प्रति उनकी सेवा और समर्पण की नई मिसाल पेश की है।

सम्मेदशिखर में वैराग्य का महोत्सव

18 अप्रैल को मुनि प्रमाणसागर देंगे जैनेश्वरी दीक्षा

इंदौर/सम्मेदशिखर. शाबाश इंडिया। शाश्वत सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर की पावन धरा पर 18 अप्रैल को त्याग और तपस्या का ऐतिहासिक दृश्य जीवंत होगा। सुप्रसिद्ध जैन मुनि प्रमाणसागर महाराज अपने शिष्यों को भव्य जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान करेंगे। यह आयोजन जैन समाज के लिए आत्मजागरण और वैराग्य का एक युगांतकारी क्षण साबित होगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन और मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनि प्रमाणसागर का जीवन स्वयं प्रेरणा की एक गाथा है। हजारीबाग में जन्मे और दुर्ग (छत्तीसगढ़) में पले-बढ़े मुनि श्री ने मात्र 18 वर्ष की आयु में ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया और 1988 में सोनागिर की भूमि पर दीक्षा ली। उन्होंने 'गुणायतन' और 'सेवायतन' जैसे प्रकल्पों के माध्यम से धर्म को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है। मुनि श्री अपने संघ सहित 15 अप्रैल को सम्मेदशिखर की तलहटी में मंगल प्रवेश करेंगे। इसके पश्चात 18 अप्रैल को दीक्षा समारोह आयोजित होगा, जहाँ हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शिष्य संसार से विरक्त होकर संयम पथ पर अग्रसर होंगे। 'विद्याप्रमाण गुरुकुलम' के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कारित करने वाले गुरुवर के सानिध्य में यह आयोजन वैराग्य और भक्ति का अनूठा संगम होगा।

जयपुर के जिनालयों में गूंजे भगवान मुनिसुव्रतनाथ के जयकारे

वाटिका में 1008 कलशों से हुआ महामस्तकाभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव रविवार, 12 अप्रैल को जयपुर के विभिन्न दिगंबर जैन मंदिरों में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

धार्मिक अनुष्ठान और अभिषेक

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि महोत्सव का मुख्य आकर्षण वाटिका स्थित मुनिसुव्रतनाथ नवग्रह मंदिर रहा। यहाँ प्रातः 8:15 बजे मंत्रोच्चार के बीच भगवान का 1008 कलशों से भव्य महामस्तकाभिषेक किया गया। मुनि भक्त मनीष लोंग्या के अनुसार, विश्व शांति और नवग्रहों की शांति हेतु विशेष शांतिधारा की गई। श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते अष्ट द्रव्य समर्पित किए और गुलाब के पुष्पों की वर्षा के बीच महाआरती की। कल्याण नगर, महल योजना और आगरा रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में भी विशेष पूजा-अर्चना हुई। चूलगिरी, सांगानेर के संघीजी मंदिर और सूर्य नगर स्थित मंदिरों में भी जन्म एवं तप कल्याणक के अर्घ्य चढ़ाए गए। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से श्लोकों का उच्चारण करते हुए सुख-समृद्धि की मंगल कामना की।

आगामी महोत्सवों की रूपरेखा

विनोद जैन ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि:

16 अप्रैल: 21वें तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का मोक्ष कल्याणक (निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा)।

18 अप्रैल: 17वें तीर्थंकर भगवान कुंथुनाथ के तीन कल्याणक– जन्म, तप एवं मोक्ष महोत्सव।

19 अप्रैल: अक्षय तृतीया पर्व (भगवान आदिनाथ का प्रथम आहार दिवस) मनाया जाएगा।

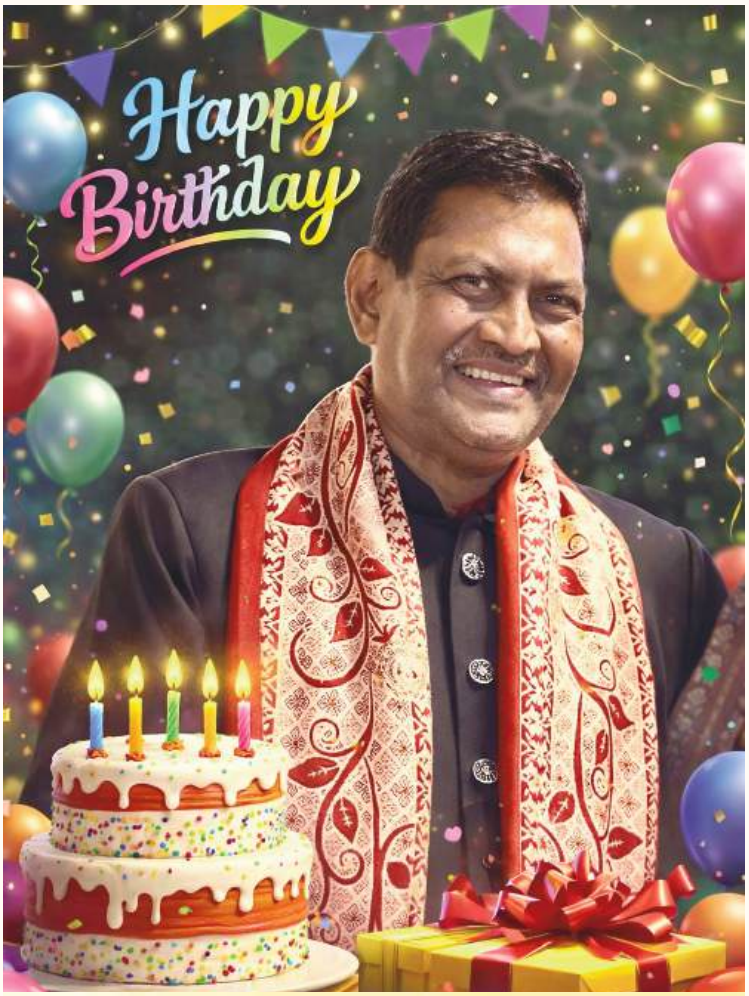

जन्मदिन 14 अप्रैल

श्रीमान राजेश बडजात्या

राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
निवर्तमान अध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
राजस्थान रीजन जयपुर
कार्याध्यक्ष दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
अध्यक्ष महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर
कार्याध्यक्ष राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर शाखा

को हार्दिक बधाई

प्रतिष्ठान आर. बडजात्या केटरर्स
बापू नगर 9785074581

शुभेच्छु

इष्ट मित्र एवं परिवार जन

आचार्य प्रज्ञासागर जी का जवाहर नगर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य प्रज्ञासागर जी का जवाहर नगर स्थित जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। बैंड-बाजे और पारंपरिक लवाजमे के साथ श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का भव्य स्वागत करते हुए मंगल प्रवेश कराया। विहार मार्ग में स्थान-स्थान पर जैन धर्मावलंबियों ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर पुण्य अर्जित किया। मंदिर परिसर में प्रवेश के उपरांत भव्य धर्मसभा का आयोजन किया गया। प्रवचन से पूर्व समाजश्रेष्ठी विवेक काला द्वारा रक्तदान शिविर के पोस्टर का लोकार्पण किया गया। इसके पश्चात मंदिर समिति द्वारा आचार्य श्री का विधिपूर्वक पाद प्रक्षालन किया गया। अपने प्रवचन में आचार्य प्रज्ञासागर जी ने धर्म की प्रभावना बढ़ाने हेतु युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक युवा वर्ग धर्म के संस्कारों को आत्मसात नहीं करेगा, तब तक धर्म की परंपरा और भावना को आगे बढ़ाना संभव नहीं है। धर्मसभा के पश्चात मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र बक्शी एवं सचिव अजय गोधा ने बताया कि आगामी दिनों में प्रतिदिन सायंकाल धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष जैन, राजीव जैन (गाजियाबाद), एन.के. सेठी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।